PEOPLE FOR THE ETHICAL TREATMENT OF ANIMALS

PETA India
PO Box 28260
Juhu, Mumbai
400 049
(22) 4072 7382
(22) 2636 7383 (fax)

Info@petaindia.org
PETAIndia.com

NEWS RELEASE

तत्काल प्रकाशन हेतु:
13 May 2020

संपर्क:
Hiraj Laljani +91 9619167382; HirajL@petaindia.org
Sachin Bangera +91 8291292039; SachinB@petaindia.org

लोगों में TB संक्रमण का ख़तरा - PETA इंडिया ने राजस्थान के मंत्री से गुहार लगाई है कि आमेर के किले पर हाथीसवारी पर रोक लगाई जाए।

PETA समूह अनुरोध करता है कि जानवरों से गुलामी कराने के बजाय पर्यावरण अनुकूल मोटर गाड़ियों का इस्तेमाल शुरू किया जाए।

जयपुर - जैसा कि दुनिया आज एक घातक बीमारी से लड़ रही है यह बिमारी जानवरों से मनुष्यों में फ़ैली है, इसी के चलते पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (PETA) इंडिया ने राजस्थान के कला और संस्कृति, पुरातत्व और संग्रहालय मंत्री डॉ. बी.डी कल्ला को पत्र लिख कर आग्रह किया है कि आमेर के किले में हाथीसवारी पर प्रतिबंध लगा कर पर्यटकों की रक्षा की जाए क्योंकि बंदी हाथियों के माध्यम से ट्यूबरक्युलोसिस (TB) जैसा रोग पर्यटकों में संक्रमित होने का ख़तरा है। समूह ने उसे पुरातत्व विभाग और संग्रहालय विभाग से हाथियों के देखभाल कर्ताओं और महावतों को लाइसेंस जारी करने का निर्देश देने का भी आग्रह किया है जिससे आमेर के किले में इको-फ्रेंडली मोटर कार के द्वारा किले तक सुरक्षित लाने ली जाने की अनुमति देगा।

PETA इंडिया द्वारा मंत्रीजी को लिखे गए के पत्र की एक प्रति यहाँ से डाउनलोड की जा सकती है।

PETA इंडिया के CEO और पशु चिकित्सक डॉ. मणिलाल वलियाते कहते हैं- "TB से पर्यटकों और आम जनता को बचाने के लिए एकमात्र तरीका है कि सवारी के लिए हाथियों का इस्तेमाल बंद कर दिया जाए और मनुष्यों को उनके सीधे संपर्क में आने से रोका जाए। PETA इंडिया ने राजस्थान सरकार से जनता व बीमार, पीड़ित हाथियों की रक्षा करने की गुज़ारिश की है, जिन्हें पशु चिकित्सा देखभाल से वंचित रखा गया है और इसके चलते उनके संपर्क में आने वाले सभी लोगो को टीबी संक्रमित होने का खतरा है।"

केंद्र सरकार की वैधानिक संस्था भारत सरकार का जीव जंतु कल्याण बोर्ड (AWBI) द्वारा जयपुर में बंदी हाथियों की एक अप्रैल 2018 की मूल्यांकन रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि, परिक्षण किये गए हाथियों में से 10% हाथी जिनका इस्तेमाल जयपुर के पास सवारी और पर्यटकों के मनोरंजन के लिए किया जाता है, उनमे सक्रिय TB के लक्षण पाये गए हैं। इस रिपोर्ट में यह भी लिखा कि, 2017 में पांच महीने के अन्दर मरने वाले चार हाथियों के पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला है कि वे सभी श्वसन रोग से पीड़ित थे जो कि संभवतः TB से पीड़ित थे। हालाँकि, सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत प्राप्त की गई जानकारी से पता चलता है कि, 2018 में AWBI निरीक्षण के बाद राजस्थान वन विभाग ने इन समस्त हाथियों का TB परीक्षण किया लेकिन उस हेतु जो किट इस्तेमाल की गयी वह मान्यता प्राप्त किट नहीं थी और उसे किसी भी नियामक संस्था द्वारा उनका उपयोग करने की मंजूरी नहीं दी गई थी। AWBI द्वारा किए गए प्रारम्भिक परीक्षण में 10 में से सात हाथियों को TB से संक्रमित पाया गया था किन्तु बाद किए गए परीक्षणों में उन्हें TB-मुक्त कर दिया गया। 2013 में प्रकाशित एक भारतीय अध्ययन में पता चला कि "महावत और बंदी हाथियों के बीच M ट्यूबरक्युलोसिस की मिश्र प्रजाति संक्रमित हुई और इसके दो संभावित मामले भी सामने आये थे। पहले मामले में इंसान से हाथी में और दुसरे मामले में हाथी से इंसान में M ट्यूबरक्युलोसिस का संक्रामण पाया गया" । 2016 में प्रकाशित एक अन्य भारतीय पत्र में कहा गया, "तीन सालों में लगभग 800

Affiliates:
•PETA US
•PETA Asia
•PETA France
•PETA Australia
•PETA Germany
•PETA Netherlands
•PETA Foundation (UK)

Registered Office:
Regus Office Centre Services Pvt Ltd
M-4 (Ground & First Floor)
South Extension II
New Delhi 110 049

CIN: U74899DL2000NPL103217

हाथियों की और उनके महावतों की स्क्रीनिंग की गई और उससे यह सबूत सामने आया कि उनमें मिश्र प्रजाति के ट्यूबरक्युलोसिस का संक्रामण हुआ है"। आमेर किले में इस्तेमाल किये जानेवाले 134 से भी ज्यादा हाथियों को अब तक TB के लिए परिक्षण नहीं किया गया है।

PETA इंडिया जो इस सिद्धांत के तहत कार्य करता है कि "जानवर हमारा मनोरंजन करने के लिए या हमारा दुर्व्यवहार सहने के लिए नहीं हैं, प्रजातिवाद का विरोध करता है क्योंकि यह मनुष्य की वर्चस्ववादी सोच को दर्शाता है। अधिक जानकारी के लिए **PETAIndia.com**.पर जाएँ ।

#

PEOPLE FOR THE ETHICAL TREATMENT OF ANIMALS

PETA India
PO Box 28260
Juhu, Mumbai
400 049
(22) 4072 7382
(22) 2636 7383 (fax)

Info@petaindia.org
PETAIndia.com

NEWS RELEASE

Affiliates:
•PETA US
•PETA Asia
•PETA France
•PETA Australia
•PETA Germany
•PETA Netherlands
•PETA Foundation (UK)

Registered Office:
Regus Office Centre Services Pvt Ltd
M-4 (Ground & First Floor)
South Extension II
New Delhi 110 049

CIN: U74899DL2000NPL103217